

कमल  
Rakesh Singh  
In-charge, Dept.

13.04.18

कमील प्रार्थी या स्वयं प्रार्थी अर्पण/ इच्छा/  
अप्रार्थी को न्यायक अर्पण/ अप्रार्थी न काम  
नं. 3 के साथ RAA कोटा के निर्णय दिनांक 20.06.83  
एवं जिलाधीश स-मा के निर्णय 07.07.80 की प्रतिपां  
पत्र भी जो शामिल की गई। प्रार्थी व उनके को न्यायक  
को बार-बार आवाजे दिलाई गई। प्रार्थी की  
ओर से कोई अर्पण नहीं है। अतः प्रार्थी  
का प्रार्थना पत्र कन्टेम्प्ट अफम दोजरी व  
अफम पैरवी में रजिस्ट्रिज किया जाता है।  
पत्रावली फंसल नुमार होकर बाद तक भी  
जावता दालिल दफ्त र हो।

संभागीय आयुक्त  
भारतपुर संभाग, भारतपुर